हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
(2014–2015 से प्रभावी)

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

चतुर्थ सत्रार्ध (Fourth Semester)

त्रयोदश प्रश्न–पत्र

(क) कुमाउनी साहित्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. सं0 डॉ0 दिवा भट्ट : **पछ्याण**, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. डॉ0 शेरसिंह बिष्ट : **इजा**। (व्याख्या हेतु– 1. बा्ट, 2. चाणै में छुँ, 3. का्स छी उँ मैंस, 4. रितु बदव, 5. हे राम, 6. गौं–घर, 7. शहरी गौंक दुदी, 8. उन दिन, 9. नई सुराज, 10. इजा।) प्रकाशक : गोपेश प्रकाशन, अल्मोड़ा।
3. बहादुर बोरा 'श्रीबंधु' : **मन्याडर**, कुमाउनी भाषा–साहित्य प्रचार–प्रसार समिति, अल्मोड़ा।
4. डॉ0 शेरसिंह बिष्ट : **मन्खि,** अविचल प्रकाशन, बिजनौर (उ0प्र0)।
5. सं0 दामोदर जोशी : **आपण पन्यार**, जगदम्बा कम्प्यूटर्स, कालाढूँगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल)।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट अंकित प्रकाशन,
   हल्द्वानी।
3. कुमाउनी (सहभाषा श्रृंखला)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।

4. उत्तराखण्ड के रचनाकार एवं रचनाएँ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,
दिल्ली।
5. कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरे : विविध संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
6. कुमाऊँ हिमालय : समाज एवं संस्कृति– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी।
7. कुमाउनी–हिंदी कहावत कोश– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
8. कुमाउनी लोकसाहित्य, संस्कृति, भाषा एवं साहित्य– डॉ0 पुष्पलता भट्ट, नीलकमल प्रकाशन,
दिल्ली।

अथवा

(ख) उत्तराखण्ड के हिंदी कवि

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तक :

उत्तराखण्ड के हिंदी कवि (1. गुमानी 2. चंद्रकुँवर बर्त्वाल 3. लीलाधर जगूड़ी 4. मंगलेश डबराल, 5. वीरेन डंगवाल 6. हरीशचंद्र पाण्डेय)– संपा0 प्रो0 दिवा भट्ट, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. उत्तराखण्ड के रचनाकार एवं रचनाएँ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
2. उत्तरांचल : भाषा एवं साहित्य का संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,
दिल्ली।

3. उत्तराखण्ड के रचनाकार और उनका साहित्य– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।
4. उत्तराखण्ड के रचनाकार : मेरा रचना संसार– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।

अथवा

(ग) उत्तराखण्ड के हिंदी कथाकार :

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :
(क) उपन्यासकार :
1. मनोहरश्याम जोशी : **कसप** (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रमेशचंद्र शाह : **गोबर गणेश** (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
(ख) कहानी–संग्रह :
3. **पाँच कहानियाँ** (1. दुष्कर्मी– इलाचन्द्र जोशी, 2. रज्जो– रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 3. हलवाहा– शेखर जोशी, 4. बीच की दरार– गंगाप्रसाद 'विमल', 5. अ–रचित– दिवा भट्ट)– संपा0
डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, प्रकाश प्रकाशन, चौघानपाटा, अल्मोड़ा।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :
1. उत्तराखण्ड के रचनाकार एवं रचनाएँ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
2. उत्तरांचल : भाषा एवं साहित्य का संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,
दिल्ली।
3. उत्तराखण्ड के रचनाकार और उनका साहित्य– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।

4. उत्तराखण्ड के रचनाकार : मेरा रचना संसार– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।
5. साहित्य सृजन के कुछ संदर्भ– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
6. साहित्य प्रसंग : विचार और विश्लेषण– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
7. मनोहरश्याम जोशी का उपन्यास साहित्य– डॉ0 ममता पंत, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
8. रमाप्रसाद घिल्डियाल पहाड़ी के कथा साहित्य में मानव मूल्य– डॉ0 बचन लाल, विजया बुक्स,
शहादरा नई दिल्ली।
9. कुमाऊँ के प्रमुख कहानीकार और उनका कहानी साहित्य– डॉ0 चंद्रकला वर्मा, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।
10. रमेशचंद्र शाह और उनका रचना संसार– डॉ0 माया जोशी, आधारशिला प्रकाशन, हल्द्वानी नैनीताल।

अथवा

चतुर्दश प्रश्नपत्र

(घ) लोक साहित्य

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. लोक और लोक–वार्त्ता, लोक–विज्ञान।
2. लोक संस्कृति और साहित्य
3. लोक साहित्य का स्वरूप
4. अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।
5. लोक साहित्य की अध्ययन–प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।
6. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण : लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियाँ, लोक संगीत।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(3) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. उत्तराखण्डः लोकसंस्कृति और साहित्य– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इण्डिया।
2. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
3. कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरे : विविध संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
4. कुमाउनी (सहभाषा शृंखला)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
5. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्‌भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी,
6. लोकसाहित्य विज्ञान– डॉ0 सत्येन्द्र, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

अथवा

(ङ) कुमाउनी लोक साहित्य

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. सं0 देवसिंह पोखरिया : **न्यौली सतसई,** (व्याख्या हेतु प्रारंभ के 300 छंद), कंसल बुक डिपो, नैनीताल।
2. सं0 देवसिंह पोखरिया : **कुमाउनी लोक साहित्य**, (व्याख्या हेतु न्यौली को छोड़कर सभी लोकगीत)
   मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद्, भोपाल।
3. डॉ0 प्रयाग जोशी : **कुमाउनी लोक गाथाएँ** (प्रथम भाग) (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 6 लोकगाथाएँ),
   किशोर एण्ड संस, देहरादून ।
4. डॉ0 प्रभा पंत : **कुमाउनी लोककथा,** (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 10 लोककथाएँ), अल्मोड़ा बुक डिपो,
   अल्मोड़ा।
5. डॉ0 कृष्णानंद जोशी : **कुमाऊँ का लोक साहित्य**, (व्याख्या हेतु केवल धार्मिक गीत), प्रकाश बुक
   डिपो, बरेली।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. कुमाउनी लोक साहित्य तथा कुमाउनी साहित्य– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
3. उत्तराखण्ड : लोकसंस्कृति और लोक साहित्य– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इण्डिया।
4. कुमाउनी लोकगीतों में छंद योजना– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
5. उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ– डॉ0 दिवा भट्ट, प्रकाश प्रकाशन, अल्मोड़ा।
6. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्‌भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी, (नैनीताल)।
7. कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरे : विविध संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
8. कुमाऊँ हिमालय : समाज एवं संस्कृति– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (नैनीताल)।

अथवा

(च) भारतीय साहित्य

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यक्रम :

प्रथम खंड :

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
4. भारतीयता का समाजशास्त्र
5. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

द्वितीय खंड :

1. दाक्षिणात्य भाषा वर्ग : मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़।
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग : उड़िया, बँगला, असमिया, मणिपुरी।
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग : मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, उर्दू।

तृतीय खंड

1. बँगला साहित्य और हिंदी
2. मलयालम साहित्य और हिंदी
3. मराठी साहित्य और हिंदी

4. गुजराती और हिंदी

(नोटः उक्त भाषा वर्गों में विद्यार्थी किसी एक भाषा वर्ग के इतिहास का अध्ययन करेगा जो उसकी

प्रांतीय/क्षेत्रीय भाषा से भिन्न होगी।)

चतुर्थ खंड :

पाठ्यपुस्तकें :

1. अग्निगर्भ (बंगला)– महाश्वेता देवी
2. कोच्चिन के दरख्त (मलयालम)– के0जी0 शंकरपिल्लै
3. घासीराम कोतवाल (मराठी)– विजय तेंदुलकर
4. जसमा ओड़न (गुजराती)– शांता गाँधी

(नोट : उक्त पुस्तकों से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य– डॉ0 राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतीय काव्य–विमर्श– डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतीय काव्य में सर्वधर्म समभाव– डॉ0 नगेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. दक्षिण भारत में हिंदी का अध्ययन–अध्यापन : विविध आयाम– आलोक पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. तेलुगू साहित्य : संदर्भ और समीक्षा– डॉ0 एस0टी0 नरसिम्हाचारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. तेलुगु साहित्य का संक्षिप्त इतिहास एवं तुलनात्मक साहित्य– डॉ0 क्रांति मुदिराज, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य– इन्द्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. बंगला साहित्य का इतिहास– कल्याणी दास गुप्ता, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
9. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ0 इकबाल अहमद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. भारतीय साहित्य– मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. मराठी भाषा और साहित्य– राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
12. हिंदी और गुजराती नाट्य साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन– रणवीर उपाध्याय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

पंचदश प्रशन–पत्र

विशिष्ट अध्ययन

(क) प्रेमचंद :

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. रंगभूमि
2. कुछ विचार
3. मानसरोवर भाग –1

(**टिप्पणी** : प्रेमचंद का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तकों का संदर्भ केवल व्याख्या के लिए है।)

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कथाकार प्रेमचंद– डॉ0 जाफ़र रजा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प– डॉ0 शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रेमचंद और भारतीय समाज– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन– नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रेमचंद और भारतीय किसान– प्रो0 रामबक्ष, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. प्रेमचंद : व्यक्तित्व और रचना–दृष्टि– दयानंद पाण्डे, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
9. प्रेमचंद के उपन्यास कथा संरचना– मीनाक्षी श्रीवास्तव, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
10. प्रेमचंद के आयाम– ए अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

अथवा

(ख) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :
रामचंद्र शुक्ल ग्रंथवाली :
(व्याख्या हेतु ग्रंथावली का केवल निबंध भाग)

अंक विभाजन :

(1) निबंध भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 25 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्लः प्रस्थान और परम्परा– डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी आलाचेना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल– डॉ0 शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व– किशोरीलाल व्यास, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल– रामचंद्र तिवारी, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
5. रामचंद्र शुक्ल : एक पुनर्दृष्टि– नीलकमल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के इतिहास की रचना–प्रक्रिया– डॉ0 समीक्षा ठाकुर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का निबंध साहित्यः एक अध्ययन– डॉ0 रूपा आर्या, पब्लिशिंग एण्ड इंस्टीट्यूट, दिल्ली।

अथवा

(ग) कबीरदास

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :
संपा0 श्यामसुंदर दास : **कबीर ग्रंथावली**। (व्याख्या हेतु साखी भाग और आंरभिक 100 पद)।
टिप्पणी : कबीरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक

(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. युगद्रष्टा कबीर– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी (नैनीताल)।
2. कबीर चिंतन– ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कबीर मीमांसा– डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कबीर : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. कबीर की चिंता– बलदेव वंशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. कबीर का लोकतात्विक चिंतन– सुखबिन्दर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कबीरदास : विविध आयाम– प्रभाकर श्रोत्रिय (सं0) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

अथवा

(घ) सूरदास

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

संपा0 धीरेन्द्र वर्मा : **सूरसागर सार**।

टिप्पणी : सूरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी : 3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. महाकवि सूरदास– नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सूरदास : एक अध्ययन– अश्विनी पराशर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
3. सूरसागर और कृष्णगाथा : एक अध्ययन– चरियान जार्ज, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
4. वैष्णव धर्म संप्रदायों के दार्शनिक सिद्धांत और कृष्ण भक्तिकाव्य– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ईस्टर्न बुक लिंकर्स दिल्ली।
5. सूरदास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. सूरदास– डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
7. सूर की काव्यकला– मनमोहन गौतम।
8. सूर सूर, तुलसी ससी– डॉ0 राकेशगुप्त, ग्रंथायन, अलीगढ़।

अथवा

(ङ) सुमित्रानंदन पंत

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

चिदंबरा– सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अथवा

तारापथ– सुमित्रानंदन पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

टिप्पणी : सुमित्रानंदन पंत का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तकों से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. सुमित्रानन्दन पंत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
2. सुमित्रानन्दन पंत के साहित्य का ध्वनिवादी अध्ययन– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ग्रंथायन, अलीगढ़।
3. पंत का उत्तर काव्य– मीरा श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. पंतजी का गद्य– सूर्यप्रसाद दीक्षित, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
5. सुमित्रानंदन पंत : व्यक्ति और कवि, सी0डी0 वशिष्ठ, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
6. पंत का काव्य शिल्प– शिवपालसिंह, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
7. सुमित्रानंदन पंत– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

अथवा

(च) विशिष्ट युग प्रवृत्ति का अध्ययन (छायावाद)

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :
माखनलाल चतुर्वेदी : **आधुनिक कवि** : प्रारंभिक 10 कविताएँ
रामकुमार वर्मा : **10 कविताएँ**
मुकुटधर पाण्डेय : **कश्मीर सुषमा**
जयशंकर प्रसाद : **लहर** : (अंतिम 3 कविताएँ)
सुमित्रानंदन पंत : **पल्लविनी** (प्रारंभिक 10 कविताएँ)
निराला : **अपरा** : (प्रारंभ की 10 कविताएँ)
महादेवी वर्मा : **यामा** : (आरंभिक 10 गीत)

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. छायावादी कविता की आलोचनाः स्वरूप और मूल्यांकन– ओमप्रकाश सिंह, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
3. छायावाद और उसके कवि– इन्द्रराज सिंह, तक्षशिला, प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रसाद का काव्य– प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान– डॉ0 केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. छायावाद दर्पण– शुभदा वांजपे, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. जयशंकर प्रसाद : सृष्टि और दृष्टि– डॉ0 कल्याणमल लोढ़ा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8. सुमित्रानंनद पंत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
9. साहित्य और समालोचना– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

अथवा

(छ) हिंदी पत्रकारिता

पूर्णांक : 100 (75+25)

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ।
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास।
4. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व– समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
5. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत– शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की
   प्रस्तुति–प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।
7. दृश्यों सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्रॉफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।
10. पत्रकारिता से संबंधित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन
    (फालोअप) आदि की प्रविधि।
11. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता : रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट
    की पत्रकारिता।
12. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ–सज्जा।
13. पत्रकारिता का प्रबंधन– प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।
14. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।
15. मुक्त प्रेस की अवधारणा।
16. लोक–संपर्क तथा विज्ञापन।
17. प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
18. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
19. प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न : 3 X 15 = 45 अंक
(3) चार लघूत्तरीय प्रश्न : 4 X 5 = 20 अंक
(4) 10 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन पत्रकारिता संबंधी प्रायोगिक कार्य (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता– डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास– अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी पत्रकारिता हमारी विरासत (दो खण्ड)– शंभुनाथ (सं0), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मीडिया और लोकतंत्र– डॉ0 रवीन्द्र नाथ मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. साहित्यिक पत्रकारिता– ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. संचार माध्यम लेखन– गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. विज्ञान पत्रकारिता– डॉ0 मनोज पटैरिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. पत्रकारिता के नए आयाम– एस0के0 दुबे, लोकभारती, प्रकाशन इहालाबाद।
10. पत्रकारिता के विविध आयाम– राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम– संजीव भानावत, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
13. संचार और पत्रकारिता के विविध आयाम– ओमप्रकाश सिंह, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
14. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया– डॉ0 सुधीर सोनी, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
15. आधुनिक समाचार पत्र प्रबंधन– अनिल कुमार पुरोहित, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
16. व्यावहारिक हिन्दी– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

अथवा

(ज) अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग

पूर्णांक : 100 (75+25)

1. अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ।
2. अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प।
3. अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।
4. अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद–प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ–संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद–प्रक्रिया की प्रकृति।
5. अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत।
6. अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार : कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।
7. अनुवाद की समस्याएँ : सुजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि–साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।
8. अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि।

9. अनुवाद : पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।
10. मशीनी अनुवाद।
11. अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य।
12. अनुवादक के गुण।
13. पाठ की अवधारणा और प्रकृति : पाठ शब्द, प्रति शब्द।
    शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।
14. व्यावहारिक अनुवाद : प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेजी अवतरण का हिंदी अनुवाद।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन : व्यावहारिक अनुवाद :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य– डॉ0 रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपेरखा– डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. अनुवाद–कार्यदक्षता : भारतीय भाषाओं की समस्याएँ– महेन्द्रनाथ दुबे (सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भारतीय भाषाएँ और हिंदी अनुवाद समस्या समाधान– डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग– जी0 गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. अनुवाद की समस्याएँ– जी0 गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. अनुवाद के विविध आयाम– डॉ0 पूरनचंद्र टण्डन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

अथवा

(झ) लघु शोधप्रबंध

पूर्णांक : 100

टिप्पणी : जिन संस्थागत विद्यार्थियों ने एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिंदी) परीक्षा में 55 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों, वे पंचदश प्रश्नपत्र के विकल्प में विभागाध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट विभागीय प्राध्यापक के निर्देशन में लघु–शोध प्रबंध प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसका मूल्यांकन निर्देशक तथा बाह्य परीक्षक द्वारा पचास–पचास अंकों में किया जाएगा। लघु शोध–प्रबंध का टंकित कलेवर यथासंभव सौ पृष्ठों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

लघु–शोध–प्रबंध को लिखित परीक्षा प्रारंभ होने से पन्द्रह दिन पूर्व निर्देशक के माध्यम से एक प्रतिलेख के लिए संबंधित संस्था के हिंदी विभागाध्यक्ष के कार्यालय में तथा दो प्रतियाँ कुलसचिव (परीक्षा) कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में संबंधित विद्यार्थी को जमा करनी होगी।

षोडश प्रश्न–पत्र :

मौखिकी : **पूर्णांक : 100**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

टिप्पणी : एम0ए0 पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध (हिंदी) के पाठ्यक्रम के आलोक में लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् हिंदी विभाग में निर्धारित तिथि को मौखिक परीक्षा संपन्न होगी, जिसकी सूचना परीक्षार्थियों को विभाग द्वारा दी जाएगी। मौखिकी के समय समस्त परीक्षार्थियों को एम0ए0 पूर्वार्द्ध की अपनी मूल अंक–तालिका परीक्षकों के समक्ष अवलोकनार्थ अनिवार्यतः प्रस्तुत करनी होगी।

(प्रो0 एस0एस0बिष्ट)

अध्यक्ष एवं संयोजक
हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय
एस0एस0जे0 परिसर, अल्मोड़ा